मैं एकता हूँ

डॉ॰ एकता साहनी

असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेजी

अलायंस विश्वविद्यालय

मैं एकता हूँ।

मैं हर उस औरत में बसती हूँ,

जिसने जिंदगी की चुनौतियों को स्वीकार किया है।

मैं वो हूँ

जो आंधियों का सामना करती है

मैं वो हूँ जो लोगों के उपहास का

मुंहतोड़ जवाब देती है।

सब कुछ खोकर मैंने अपने आपको पाया है।

सिमटकर बिखरी हूँ

बिखरकर सम्हली हूँ

मैंने पग-पग रखकर चलना सीखा है।

मैं एकता हूँ

जो हर क्षण निखरती रही है

मैं एकता हूँ और एकता कभी बिखरती नहीं है।

एकता छवि है सनातन धर्म का

एकता अस्तित्व है देश की अखंडता का

एकता गरिमा है सामूहिक भारतीय परिवार का

एकता समर्पण है आपसी सम्बन्धों का।